कैसे बीत रहे हैं संगमयुग के अनमोल पल ?

1. संगमयुग के सुहाने पल भगवान से बातचीत करने में बीत रहे हैं?
2. संगमयुग भगवान के साथ का अनुभव करने में बीत रहा है?
3. संगम की अनमोल घड़ियां भगवान से मिली सर्वशक्तियों को विश्वकल्याण के कार्य में लगाने में बीत रही हैं?
4. अतिन्द्रिय सुख में रहकर औरों को सुख का अनुभव करा रहे हैं?
5. ज्ञान रतनों से खेलने में, मनन चिन्तन में बीत रहा है?
6. देह से न्यारे, अशरीरी, देही अभिमानी स्थिति बनाने में बीत रहा है?
7. दु:खी, अशांत, भटकती, तड़फती, रोगी, विकारी आत्माओं को पवित्रता, सुख, शांति देने में बीत रहा है?
8. प्रकृति के पांचों तत्वों, सभी ग्रहों को पावन बनाने में बीत रहा है?
9. व्यर्थ से मुक्त रहकर सदा समर्थ स्थिति बनाए रखने में बीत रहा है?
10. स्वमान में रहकर सबको सम्मान देने में बीत रहा है?
11. ईश्वरीय कार्य में अपना तन, मन, धन, समय, श्वांस, संकल्प सफल करने में बीत रहा है?
12. सबके प्रति शुभ कामना, शुभ भावना रखने में बीत रहा है?
13. सर्व को सहयोग, सुख देने में बीत रहा है?
14. दु:खी, असहाय, कमजोर, हीनभावना वाली आत्माओं में शक्ति भरकर आगे बढ़ाने में बीत रहा है?
15. परमात्म प्यार में लवलीन रहकर आनंदमय जीवन का अनुभव करने में बीत रहा है?
16. परमात्म शक्तियों की छत्रछाया में रहकर वायुमण्डल में सर्वशक्तियों की किरणें फैलाने में बीत रहा है?
17. अपने प्यारे रूहानी बाप से सर्व संबंधों का अनुभव करने में बीत रहा है?
18. परमात्म पढ़ाई पढ़ने - पढ़ाने में बीत रहा है?
19. सबमें गुण देखकर सर्वगुण सम्पन्न बनने में बीत रहा है?
20. सरलचित नेचर बनाकर सर्व को सरल स्वभाव बनाने की विधि बताने में बीत रहा है?
21. निरन्तर योगी बनने - बनाने की विभिन्न युक्तियों के अनुभव व प्रैक्टिस में बीत रहा है?
22. परिस्थितियों को सहज पार करने की कला द्वारा बेफिकर बादशाह की स्थिति बनाने में बीत रहा है?
23. वाणी से परे रहने के अभ्यास में बीत रहा है?
24. बेहद यज्ञ के बेहद कार्यों को निर्विघ्न बनाने में बीत रहा है?
25. जीवन को दैवीगुणों से श्रृंगारने में बीत रहा है?
26. ज्ञान के हर प्वाइंट को आचरण में लाने में बीत रहा है?
27. कर्मेन्द्रियजीत, निंद्राजीत, मायाजीत बनने में बीत रहा है?
28. त्यागवृत्ति से अपने भाग्य को श्रेष्ठ बनाने में बीत रहा है?
29. वाह रे मेरा भाग्य, वाह मेरा भाग्यविधाता बाबा के सिमरन में बीत रहा है?
30. पुरानी छी:-छी:, पतित, रौरवनर्क, भ्रष्टाचारी दुनिया से बेहद के वैराग्य में बीत रहे है?
31. बापदादा की महिमा के गीत गाने में बीत रहा है?
32. लाइट हाउस, माइट हाउस बन सकाश की किरणें निरन्तर विश्व को देने में बीत रहा है?
33. चलते-फिरते अव्यक्त फरिश्ता स्थिति से वातावरण को अव्यक्त बनाने में बीत रहा है?
34. सदा खुश रहकर सबको खुशियां ही खुशियां बांटने में बीत रहा है?
35. बाप समान प्यार का सागर बनने-बनाने में बीत रहा है?

ओम् शान्ति